आज का मौसम

अधिकतम 32° C
न्यूनतम 26° C
सूर्य अस्त (आज) 7:17
सूर्य उदय (कल) 5:38

दैनिक समाचार पत्र

जीत समाचार

जीत सच्ची खबर की

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश

अनमोल वचन

"सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति देर से ही सही, लेकिन सफलता और सम्मान अवश्य प्राप्त करता है।"

वर्ष : 13 | अंक : 307 | मूल्य : 2 रू | पृष्ठ : 8 | शनिवार 25 जुलाई 2026 | RNI NO : PUNHIN/2013/60106 | www.zeetsamachar.com

संक्षिप्त न्यूज

एफएसएसएआई की बड़ी कार्रवाई: रीहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने स्वास्थ्य सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाने वाली रीहान हेल्थकेयर का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान कंपनी की निर्माण इकाई में खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन पाए गए।

एफएसएसएआई ने कंपनी को सभी निर्माण और खाद्य कारोबार तुरंत बंद करने का निर्देश दिया है। निरीक्षण में फैक्ट्री में गंदगी, कीटों का प्रकोप, अव्यवस्थित भंडारण और अन्य गंभीर कमियां मिलीं। यूनिट को केवल 12 प्रतिशत अनुपालन स्कोर मिला, जिसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा माना गया।

नियामक ने चेतावनी दी है कि सभी कमियों को दूर कर सत्यापन होने तक उत्पादन शुरू नहीं किया जा सकेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक पर केंद्र का बड़ा फैसला, सख्त सजा वाले विधेयक को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों पर केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान करने वाले विधेयक को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, इस विधेयक को अगले सप्ताह संसद में पेश किया जा सकता है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब नीट पेपर लीक समेत विभिन्न परीक्षा विवादों को लेकर देशभर में छात्रों का विरोध-प्रदर्शन जारी है और संसद में भी यह मुद्दा लगातार उठ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक से पहले जारी अपने वीडियो संदेश में कहा था कि सरकार पेपर लीक जैसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कानून में फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से मामलों की त्वरित सुनवाई और दोषियों को कड़ी सजा देने का प्रावधान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पेपर लीक से लाखों छात्रों और उनके परिवारों का भविष्य प्रभावित होता है, इसलिए सरकार इसे रोकने के लिए मजबूत कानूनी व्यवस्था बनाने की दिशा में काम कर रही है।

इस बीच, नीट पेपर लीक मामले में अब तक 13 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं, केंद्र सरकार ने शिक्षा मंत्रालय में प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 1994 बैच के आईएएस अधिकारी नरेश पाल गंगवार को उच्च शिक्षा विभाग का नया सचिव नियुक्त किया है। वे विनीत जोशी का स्थान लेंगे।

सीजेपी प्रतिनिधिमंडल से सरकार की वार्ता, परीक्षा सुधारों पर कल फिर होगी बैठक

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। परीक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर चल रहे घटनाक्रम के बीच केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कह्क्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर उनकी मांगों और सुझावों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि सरकार ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना है। उन्होंने कहा कि सीजेपी ने परीक्षा प्रणाली में सुधार से जुड़ी तीन प्रमुख मांगें सरकार के समक्ष रखीं। इसके साथ ही परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के लीक होने की आशंका को रोकने तथा परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए गए।

नड्डा ने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत और निष्पक्ष बनाने के लिए सभी पक्षों के विचारों पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने जानकारी दी कि प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता का अगला दौर शनिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें परीक्षा सुधारों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर आगे चर्चा होगी।

सरकार और सीजेपी के बीच जारी यह संवाद ऐसे समय में हो रहा है, जब देशभर में परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को लेकर बहस तेज है। ऐसे में आगामी बैठक से परीक्षा सुधारों को लेकर किसी ठोस दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

सरकार की ओर से संकेत दिए गए हैं कि छात्रों के हितों और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी तथा सभी सुझावों पर विचार करने के बाद आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से मांगा विस्तृत हलफनामा, 27 जुलाई को अगली सुनवाई

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को परीक्षा प्रणाली में किए जा रहे सुधारों पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल अस्थायी उपाय पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि सुधारों को स्थायी और संस्थागत स्वरूप देने के लिए उठाए गए कदमों का पूरा विवरण अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हलफनामे में यह स्पष्ट किया जाए कि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए अब तक क्या-क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। अदालत ने कहा कि वह इस मामले की कड़ी निगरानी करेगी और समय-समय पर इसकी समीक्षा भी करती रहेगी।

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से यह भी पूछा कि परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह अहनलाइन माध्यम में बदलने की दिशा में क्या प्रगति हुई है और इस संबंध में सरकार की क्या योजना है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सहलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि सरकार छात्रों की समस्याओं के समाधान और परीक्षा प्रणाली को अधिक मजबूत बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस विषय पर एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना चाहती है और इसके लिए कुछ अतिरिक्त समय की आवश्यकता है।

सॉलिसिटर जनरल की दलील सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई के लिए निर्धारित कर दी।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले के बाद परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर देशभर में बहस जारी है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही यह सुनवाई परीक्षा सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संसद के दोनों सदनों में कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, सांसदों ने रखा मौन

नई दिल्ली(एजेंसी)। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर संसद के दोनों सदनों-लोकसभा और राज्यसभा में वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सांसदों ने अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर मौन रखा और राष्ट्र की संप्रभुता एवं अखंडता की रक्षा में शहीद हुए जवानों को नमन किया।

राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि 26 जुलाई को पूरा देश कारगिल विजय दिवस मनाएगा। उन्होंने इसे भारतीय सेना के अदम्य साहस, वीरता और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रतीक बताते हुए कहा कि कारगिल युद्ध में वीर सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

सभापति ने कहा कि कारगिल विजय केवल सैन्य सफलता नहीं, बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का अमिट उदाहरण है। उन्होंने सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सदन के सदस्यों से कुछ क्षण का मौन रखने का आग्रह किया, जिसके बाद सभी सांसदों ने मौन रखकर वीर जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उधर, लोकसभा में भी कारगिल युद्ध के शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और उनके सम्मान में मौन रखा गया।

उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने सफल सैन्य अभियान के तहत कारगिल की सभी रणनीतिक चोटियों को दुश्मन के कब्जे से मुक्त कराकर तिरंगा फहराया था। इस ऐतिहासिक विजय की स्मृति में हर वर्ष 26 जुलाई को पूरे देश में कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भेजा विशेष निमंत्रण

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12–13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए विशेष निमंत्रण भेजा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस सम्मेलन में वैश्विक सहयोग, व्यापार, निवेश, नवाचार और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने गुरुवार को पुष्टि की कि भारत की ओर से निमंत्रण पत्र प्राप्त हो गया है और इसे प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस निमंत्रण पर आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है।

रिपोर्टों के मुताबिक, बांग्लादेश ब्रिक्स का सदस्य या आधिकारिक पर्यवेक्षक नहीं है, इसके बावजूद भारत ने उसे विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। इसे दोनों देशों के बीच मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल माना जा रहा है।

वर्तमान में ब्रिक्स समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय 'लचीलापन, इनोवेशन, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' रखा गया है। यह थीम वैश्विक चुनौतियों से निपटने, नवाचार को बढ़ावा देने, सहयोग मजबूत करने और सतत विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।

इस बीच, भारत और बांग्लादेश के संबंधों में हाल के महीनों में कई सकारात्मक कदम देखने को मिले हैं। भारत सरकार ने हाल ही में बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी को औपचारिक एवं राजकीय समारोहों के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल मंत्री के समकक्ष प्रोटोकॉल दर्जा प्रदान किया है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था केवल व्यक्तिगत और औपचारिक प्रोटोकॉल के उद्देश्य से लागू होगी तथा वरीयता क्रम में कोई स्थायी संशोधन नहीं किया गया है।

इसके अलावा, भारत ने करीब दो वर्ष बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा सेवा भी पुनः शुरू कर दी है। यह सेवा जुलाई 2024 के बाद निलंबित कर दी गई थी। अब सामान्य यात्रा वीजा के लिए आवेदन फिर से स्वीकार किए जा रहे हैं, जबकि मानवीय आधार पर आपातकालीन चिकित्सा वीजा पहले की तरह जारी रहेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रिक्स सम्मेलन के लिए बांग्लादेश को दिया गया यह निमंत्रण दक्षिण एशिया में भारत की पड़ोसी-प्रथम नीति, क्षेत्रीय सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने भारत-रोमानिया के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

बुखारेस्ट। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारत और रोमानिया के बीच आर्थिक एवं निवेश संबंधों को नई गति देने का आह्वान किया है। भारत-रोमानिया व्यापार मंच को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि रोमानिया की रणनीतिक स्थिति, कुशल कार्यबल और यूरोपीय संघ से मजबूत जुड़ाव उसे भारत के लिए एक विश्वसनीय साझेदार तथा यूरोपीय बाजार का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बनाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आपूर्ति श्रृंखलाओं को और मजबूत करेगा।

द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, परमाणु ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, साइबर सुरक्षा, परिवहन, लहजिस्टिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, निवेशक-अनुकूल सुधार और 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य वैश्विक निवेशकों और साझेदार देशों के लिए नए अवसर प्रदान करता है।

राष्ट्रपति ने संयुक्त आर्थिक आयोग, ऊर्जा पर संयुक्त कार्य समूह और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति जैसे संस्थागत तंत्रों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि व्यापारिक नेताओं के बीच हुई चर्चा से दोनों देशों के बीच नए निवेश, मजबूत साझेदारियां और दीर्घकालिक आर्थिक संबंध स्थापित होंगे।

26 दिन बाद सोनम वांगचुक ने समाप्त की भूख हड़ताल, पीएम मोदी ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 26 दिनों की भूख हड़ताल शुक्रवार रात गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में समाप्त कर दी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह मौजूद रहे। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो तथा लेह-लद्दाख के शीर्ष निकाय के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी अस्पताल में उपस्थित थे।

भूख हड़ताल समाप्त करने के बाद वांगचुक ने कहा कि यह निर्णय विभिन्न मुद्दों पर लंबी बातचीत के बाद लिया गया है। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी प्रकार की हिंसा से दूर रहने की अपील की।

बताया गया कि इससे पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के 65 सांसदों ने उनसे मुलाकात की थी या पत्र लिखकर अनशन समाप्त करने का आग्रह किया था।

सोनम वांगचुक 28 जून से शिक्षा प्रणाली में सुधार और पेपर लीक मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर थे।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर सोनम वांगचुक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने उन्हें डॉक्टरों की सलाह का पालन करने और जल्द सामान्य स्वास्थ्य एवं वजन प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं।

सुरक्षा कारणों से दिल्ली मेट्रो के 17 स्टेशन अगले आदेश तक बंद

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। सुरक्षा कारणों के चलते दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने शुक्रवार सुबह 7:30 बजे से अगले आदेश तक 17 मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने की घोषणा की है। इन स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकास पर रोक रहेगी।

बंद किए गए स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, झंडेवालान, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग और शिवाजी स्टेडियम शामिल हैं।

हालांकि, राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय स्टेशनों पर यात्रियों के लिए इंटरचेंज सुविधा सामान्य रूप से उपलब्ध रहेगी। डीएमआरसी ने यात्रियों से यात्रा की योजना बनाने से पहले नवीनतम अपडेट देखने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है।

जंतर-मंतर: लोकतंत्र की आवाज को सुनना ही लोकतंत्र की असली ताकत

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता की आवाज को सम्मानपूर्वक सुनने और उसका समाधान खोजने की निरंतर प्रक्रिया है।

नई दिल्ली का जंतर-मंतर वर्षों से देश की लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक रहा है। किसानों से लेकर छात्रों, कर्मचारियों, महिलाओं, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों तक-जब भी किसी वर्ग को अपनी बात सरकार तक पहुँचाने की आवश्यकता महसूस हुई, जंतर-मंतर ने उन्हें अपनी आवाज बुलंद करने का मंच दिया। यह स्थान केवल धरना-प्रदर्शन का केंद्र नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है।

हाल के दिनों में जंतर-मंतर पर हुए आंदोलनों और उनके दौरान सामने आए घटनाक्रम ने कई गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। क्या जनता की समस्याओं का समाधान समय रहते संवाद के माध्यम से नहीं हो सकता? क्या हर महत्वपूर्ण मुद्दे पर लोगों को सड़कों पर उतरना ही अंतिम विकल्प बनता जा रहा है? ये प्रश्न केवल सरकारों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र के लिए विचारणीय हैं।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की नींव है। लेकिन इसके साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण, अनुशासित और कानून के दायरे में रहें। किसी भी प्रकार की हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान या कानून-व्यवस्था को चुनौती देना लोकतांत्रिक आंदोलन की भावना को कमजोर करता है।

उधर प्रशासन और सरकार की भी यह जिम्मेदारी है कि वे विरोध कर रहे नागरिकों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में न देखें। लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं होती, बल्कि बेहतर शासन की दिशा में एक आवश्यक प्रतिक्रिया होती है। यदि सरकार जनता की बात धैर्यपूर्वक सुनती है और समय पर संवाद स्थापित करती है, तो कई विवाद बिना टकराव के सुलझाए जा सकते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संवाद को प्राथमिकता मिले। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद, सहमति और संवेदनशीलता में निहित है। यदि सरकार और नागरिक एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करें, तो अधिकांश समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से संभव है। टकराव कभी स्थायी समाधान नहीं देता, जबकि विश्वास और बातचीत नई राह खोलते हैं।

जंतर-मंतर की पहचान केवल विरोध के मंच के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता के प्रतीक के रूप में बनी रहनी चाहिए। यह वह स्थान है जहाँ से उठने वाली हर आवाज हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और उसकी बात सुनना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का पहला दायित्व है।

जीत समाचार की राय

लोकतंत्र की असली परीक्षा तब होती है, जब सत्ता और जनता के बीच मतभेद उत्पन्न होते हैं। ऐसे समय में संयम, संवाद और संवैधानिक मूल्यों का पालन ही सबसे बड़ा समाधान है। सरकार को चाहिए कि वह जनता की बात खुले मन से सुने, और प्रदर्शनकारियों को भी अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है और यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत बनाए रखने का सबसे प्रभावी मार्ग है।

कमल पवार

आज की प्रमुख हस्ती

जंतर-मंतर: जब जनता की आवाज सत्ता के दरवाजे तक पहुँचने को मजबूर हो जाए

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता होती है और जनता की सबसे बड़ी ताकत उसकी आवाज। जब यही आवाज अपनी समस्याओं, अधिकारों और उम्मीदों को लेकर सड़कों पर उतरती है, तो यह केवल विरोध नहीं होता, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने का प्रयास भी होता है। दिल्ली का जंतर-मंतर वर्षों से इसी लोकतांत्रिक परंपरा का साक्षी रहा है।

देश के अलग-अलग हिस्सों से किसान, छात्र, कर्मचारी, महिलाएँ, युवा और सामाजिक संगठन अपनी मांगों को लेकर जंतर-मंतर पहुँचते हैं। यह दर्शाता है कि लोगों को आज भी विश्वास है कि लोकतंत्र में उनकी बात सुनी जाएगी। लेकिन यह भी एक गंभीर प्रश्न है कि आखिर ऐसी नौबत क्यों आती है कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए राजधानी की सड़कों का सहारा लेना पड़े?

लोकतंत्र में असहमति कोई कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति का अधिकार देता है। इसलिए किसी भी आंदोलन को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानना उचित नहीं होगा। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों का भी यह दायित्व है कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, अनुशासित और संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप हो। हिंसा और अराजकता किसी भी जनआंदोलन की नैतिक शक्ति को कमजोर कर देती है।

सरकार और प्रशासन को भी यह समझना होगा कि विरोध करने वाला हर नागरिक व्यवस्था का विरोधी नहीं होता। अधिकांश लोग अपनी समस्याओं का समाधान चाहते हैं। यदि समय रहते संवाद स्थापित हो, पारदर्शिता बरती जाए और जनभावनाओं का सम्मान किया जाए, तो कई विवाद आंदोलन का रूप लेने से पहले ही समाप्त हो सकते हैं।

आज देश को टकराव की नहीं, संवाद की आवश्यकता है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को बनाए रखना भी है। जब जनता को यह भरोसा रहेगा कि उसकी बात सुनी जाएगी, तब सड़कों पर उतरने की आवश्यकता भी कम होगी।

मेरी कलम कहती है...

जंतर-मंतर केवल धरना-प्रदर्शन का स्थल नहीं, बल्कि लोकतंत्र की धड़कन है। यहाँ उठने वाली हर आवाज हमें यह याद दिलाती है कि सत्ता जनता से बनती है और जनता के प्रति जवाबदेह भी होती है। सरकार, प्रशासन और नागरिककृतीनों यदि संविधान की भावना के साथ आगे बढ़ें, तो मतभेद टकराव में नहीं, समाधान में बदल सकते हैं।

लोकतंत्र की असली जीत तब होती है, जब जनता को अपनी बात कहने के लिए संघर्ष नहीं, बल्कि संवाद का रास्ता मिले।

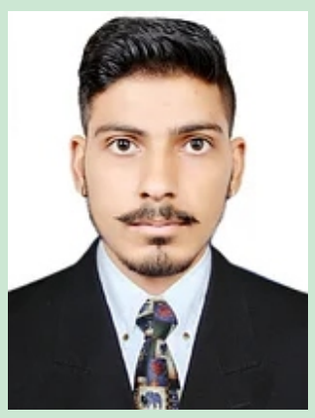

अभिषेक न्यूज एडिटर, जीत समाचार

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर (भारत)

1. आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (पुलिस, फायर, और एंबुलेंस)

112	आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (पुलिस, फायर, और एंबुलेंस)	104	स्वास्थ्य हेल्पलाइन (Health Helpline/Medical Advice)
100	पुलिस (Police)	1915	पर्यटन हेल्पलाइन (Tourist Helpline)
101	फायर ब्रिगेड (Fire Brigade)	1930	साइबर अपराध (Cyber Crime)
102 / 108	एम्बुलेंस सेवा (Ambulance)	139	रेलवे पूछताछ / सुरक्षा (Railway Enquiry / Security)
1091	महिला हेल्पलाइन (Women Helpline)	1363	पर्यटन हेल्पलाइन (Tourist Helpline)
1098	चाइल्ड हेल्पलाइन (Child Helpline)	1033	सड़क दुर्घटना या राष्ट्रीय राजमार्ग आपातकाल (Road Accident / National Highway Emergency)
		14567	बुजुर्ग हेल्पलाइन (Elder Line)
		1551	किसान कॉल सेंटर (Kisan Call Center)
		1906	गैस सिलेंडर (LPG) रिसाव या आपातकाल (LPG Gas Leak / Emergency)

2. राज्य / बिजली बोर्ड हेल्पलाइन नंबर (टोल-फ्री)

राज्य	हेल्पलाइन नंबर (टोल-फ्री)	वैकल्पिक संपर्क नंबर / वेबसाइट
हिमाचल प्रदेश (HPSEBL)	1912	1800-180-8060 | www.hpseb.in
उत्तर प्रदेश (UPPCL / अन्य)	1912	1800-180-8752 | www.uppcl.org
दिल्ली (BSES/TPDDL)	1912	वेबसाइट के माध्यम से चैटबॉट सपोर्ट www.bsesdelhi.com / www.tatapower-ddl.com
पंजाब (PSPCL)	1912	1800-180-1512 | www.pspcl.in
हरियाणा (DHBVN/UHBVN)	1912	1800-180-1833 | www.dhbvn.org.in / www.uhbvn.com
मध्य प्रदेश (MPPKVVCL)	1912	1800-233-1266, WhatsApp: 9425807257 www.mpez.co.in
उत्तराखंड (UPCL)	1912	1800-419-0405 | www.upcl.org

3. राज्यवार जल हेल्पलाइन नंबर

राज्य / विभाग	हेल्पलाइन नंबर	विवरण / वेबसाइट
केंद्रीय / राष्ट्रीय	1800-121-2164	जल जीवन मिशन का टोल-फ्री नंबर | www.jaljeevanmission.gov.in
हिमाचल प्रदेश (स्थानीय)	1800-180-8009, 1100	जल शक्ति विभाग (SNK), शिकायत निवारण केंद्र
दिल्ली	1916	दिल्ली जल बोर्ड (24x7) | www.delhijalboard.nic.in
उत्तर प्रदेश	1076	सीएम हेल्पलाइन (CM Helpline) | www.up.gov.in
बिहार	1800-123-1121	पीएचईडी (PHED) पेयजल शिकायत | www.prdbihar.gov.in
राजस्थान	1800-180-6088	जलदाय विभाग (PHED) | www.jalday.rajasthan.gov.in
मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (सभी राज्य)	181 या 1902	सभी राज्यों की शिकायत और जानकारी के लिए

4. राज्यवार परिवहन (बस) हेल्पलाइन नंबर

राज्य / निगम	हेल्पलाइन नंबर	विवरण / उपयोग
हिमाचल प्रदेश (HRTC)	1100, 1800 180 8185	24/7 हेल्पलाइन, पूछताछ और शिकायत निवारण
दिल्ली (DTC)	011-22968836	आईएसबीटी (ISBT) पूछताछ
उत्तर प्रदेश (UPSRTC)	149, 1800 1800 151	24/7 टोल-फ्री सुविधा
राजस्थान (RSRTC)	181	मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता
चंडीगढ़ (CTU)	1800 274 7400	टोल फ्री नंबर

इन हेल्पलाइन नंबरों को सेव करें और जरूरत पड़ने पर उपयोग करें। यह आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

दैनिक समाचार पत्र
जीत समाचार
जीत सच्ची ख़बर की

मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक : कमल पवार द्वारा 11368, पवित्र नगर, वालिया कालोनी हैबोवाल कलां, लुधियाना से प्रकाशित एंव जीत लुधियाना प्रिंटर्स हैबोवाल लुधियाना से मुद्रित।

सम्पादक : कमल पवार इस अंक मे प्रकाशित एंव समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा उत्पन्न समस्त विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होगे।

R.N.I NO. PUN/HIN/2013/60106

Contact us :- +91-98030-25111.

"माहवारी स्वच्छता प्रबंधन" के अंतर्गत महत्वपूर्ण सूचना

महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के अंतर्गत
हरियाणा में 10 से 45 वर्ष की
BPL किशोरियों एवं महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु

निःशुल्क सेनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने की सुविधा

सभी पात्र लाभार्थियों से अनुरोध है कि वे

- निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर अपनी सेनिटरी नैपकिन की मांग 31.07.2026 तक अवश्य दर्ज करें, http://117.251.82.30/mksy/
- अपने नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र (AWC) पर संपर्क कर मांग प्रस्तुत करें

माताओं से विशेष अपील

अपने परिवार की किशोरियों एवं महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करें एवं इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने हेतु प्रेरित करें।

निकटतम आंगनवाड़ी केंद्र पर आज ही संपर्क करें

मुख्य उद्देश्य

- मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देना
- सुरक्षित एवं सम्मानजनक प्रबंधन सुनिश्चित करना
- जागरूकता के माध्यम से सामाजिक मिथकों को दूर करना

"स्वच्छता, सम्मान और सशक्तिकरण"

महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @dipharyana

गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर चलेगा 'समरसता संकल्प अभियान', भाजपा एससी मोर्चा की बैठक में बनी रणनीति

जीत समाचार गुरुग्राम।संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रस्तावित 'श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान'को लेकर गुरुग्राम स्थित गुरुकमल में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुघ सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान अभियान की रूपरेखा, विभिन्न कार्यक्रमों तथा सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के समता, सद्भाव और मानवता के आदर्शों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जाए। अभियान के माध्यम से सामाजिक एकता, भाईचारे और समरसता को और मजबूत बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि ष्श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियानष समाज में समानता और सामाजिक सौहार्द की भावना को नई ऊर्जा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पटियाला में 28 जुलाई को भगवान शिव को समर्पित भव्य धार्मिक आयोजन, तैयारियों का अधिकारियों ने लिया जायजा

जीत समाचार पटियाला। पंजाब सरकार द्वारा 28 जुलाई को पटियाला के आत्मा राम कुमार सभा मैदान में भगवान शिव की महिमा को समर्पित एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी के शहरी जिला अध्यक्ष एवं जिला योजना समिति के अध्यक्ष तेजिंदर मेहता तथा अतिरिक्त उपायुक्त (सामान्य) अनुप्रिता जोहल ने अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

बैठक के दौरान विभिन्न विभागों को समयबद्ध तरीके से अपनी जिम्मेदारियां निभाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, बिजली, पेयजल, पार्किंग और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया।

तेजिंदर मेहता ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी आवश्यक सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं।

अतिरिक्त उपायुक्त अनुप्रिता जोहल ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था, सुचारू यातायात, चिकित्सा टीमों की तैनाती, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करेगा ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

बैठक में संयुक्त आयुक्त हरजोत कौर, संयुक्त आयुक्त नगर निगम मनरीत राणा, सिविल सर्जन डॉ. शैली जेटली, एसपी पलविंदर सिंह चीमा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय: 'निलंबन' काफी नहीं बर्खास्तगी और एससी-एसटी एक्ट के तहत हो कड़ी कार्रवाई!

जीत समाचार

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा बरनाला में प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों पर लाठीचार्ज के मामले में डीएसपी सतबीर सिंह को तुरंत प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) करने का फैसला प्रशासनिक स्तर पर एक जरूरी कदम तो है, लेकिन इंसाफ की मुकम्मल लड़ाई के लिए यह कतई काफी नहीं है। 'जीत समाचार' इस त्वरित कार्रवाई की सराहना करता है, मगर साथ ही व्यवस्था और सरकार से यह गंभीर सवाल भी पूछता है कि क्या एक लोकसेवक द्वारा आम नागरिकों और विशेषकर महिला सफाई कर्मियों पर बर्बरता से लाठी भांजने की सजा सिर्फ 'सस्पेंशन' होनी चाहिए?

यह घटना केवल कानून-व्यवस्था या ड्यूटी में लापरवाही का साधारण मामला नहीं है। जिस अमानवीय तरीके से इस अधिकारी ने सड़क पर उतरकर हक मांग रहे गरीब सफाई कर्मचारियों को पीटा, उससे साफ है कि इस शख्स ने इंसान को इंसान ही नहीं समझा। यह मानसिकता एक सभ्य समाज और लोकतंत्र के माथे पर कलंक है। ऐसे अधिकारियों के दिमाग में भरा अहंकार और यह घिनौनी मानसिकता पूरी तरह उजागर होनी चाहिए कि आखिर वे जनता को अपने पैरों की जूती क्यों समझते हैं?

संपादक होने के नाते मेरी मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब पुलिस के उच्च अधिकारियों से पुरजोर मांग है कि आरोपी डीएसपी को सिर्फ सस्पेंड करके मामले को ठंडे बस्ते में न डाला

जाए, बल्कि उसे तुरंत नौकरी से बर्खास्त (डिसमिस) किया जाए। चूंकि पीड़ित पक्ष समाज के शोषित और वंचित वर्ग (सफाई कर्मचारी) से संबंध रखता है, इसलिए इस दोषी अधिकारी के खिलाफ तुरंत एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज कर उसे सलाखों के पीछे भेजा जाना चाहिए।

इसके अलावा, इस शर्मनाक घटना में अकेले डीएसपी ही जिम्मेदार नहीं हैं। मौके पर मूकदर्शक बने या लाठीचार्ज में शामिल रहे संबंधित थाना प्रभारी लखविंदर सिंह और अन्य जितने भी पुलिस कर्मचारी या उच्च अधिकारी इस अमानवीय कृत्य में शामिल थे, उन सभी को चिन्हित कर सख्त से सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई के दायरे में लाया जाए। जब तक पुलिसिया तंत्र के इस क्रूर चेहरे को कानून का असली पाठ नहीं पढ़ाया जाएगा, तब तक आम जनता का खाकी और हुकूमत पर भरोसा बहाल नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री जी, आधी अधूरी कार्रवाई से नहीं, बल्कि मिसाली सजा से ही इंसाफ की तस्दीक होगी!

अजनाला में 19 नव नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मिले नियुक्ति पत्र, कुलदीप सिंह धालीवाल बोले- बिना रिश्वत और सिफारिश मिली सरकारी नौकरी

जीत समाचार ब्यूरों अमृतसर/अजनाला। आम आदमी पार्टी के राज्य मुख्य प्रवक्ता, विधायक एवं पूर्व मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने अजनाला में आयोजित एक समारोह के दौरान 19 नव नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने अब तक लगभग 69 हजार शिक्षित बेरोजगार युवाओं को बिना किसी रिश्वत, सिफारिश या भाई-भतीजावाद के पूरी पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां देकर नया रिकहर्ड बनाया है।

धालीवाल ने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत वर्तमान सरकार का उद्देश्य प्रत्येक योग्य उम्मीदवार को उसकी मेहनत और योग्यता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्व निभाते हुए मिशन पोषण २.० के तहत बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाएंगी।

उन्होंने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पंजाब सरकार ने सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1000 प्रति माह तथा अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 प्रति माह की वित्तीय सहायता देना शुरू कर दिया है। उनके अनुसार, इस योजना के लिए 70 लाख से अधिक महिलाओं ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई को तीन माह की राशि जारी की जा चुकी है और जिन महिलाओं को यह राशि नहीं मिल सकी थी, उनके खातों में 1 अगस्त को तीन माह की राशि जमा करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

धालीवाल ने कहा कि मान सरकार रोजगार के अवसर बढ़ाने और जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर जिला शिक्षा समन्वयक अधिवक्ता अमनदीप कौर धालीवाल, सीडीपीओ बिक्रमजीत सिंह, पीए मुख्तार सिंह बलदारवाल, शहरी अध्यक्ष अमित औल, नगर पंचायत अध्यक्ष जसपाल सिंह ढिल्लों तथा अधिवक्ता संदीप कौशल गट्टू सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जीत समाचार
जीत सच्ची खबर की

हिमाचल के युवाओं को विदेशों में रोजगार दिलाने की तैयारी, विदेशी भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने के निर्देश

जीत समाचार ब्यूरों शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य के युवाओं के लिए विदेशों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के माध्यम से विदेशी भाषाओं के पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के माध्यम से कुशल युवाओं को विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने श्रम एवं रोजगार विभाग को निर्देश दिए कि विभाग की सभी प्रमुख योजनाओं का विवरण प्रभावी निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर अपलोड किया जाए।

इसके अलावा उन्होंने जनजातीय विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और वनाधिकार अधिनियम से संबंधित सभी मामलों की अद्यतन स्थिति भी मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नेरी में बायो-चार प्लांट का शुभारंभ, चीड़ की पत्तियों से होगी कमाई और पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

जीत समाचार हमीरपुर। हमीरपुर के विधायक सुरेश कुमार ने शुक्रवार को उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय नेरी के निकट स्थापित बायो-चार प्लांट का शुभारंभ किया। यह प्लांट वन विभाग, महाविद्यालय प्रशासन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत प्रोक्लाइम कंपनी के संयुक्त प्रयास से स्थापित किया गया है। इसकी तकनीक आईआईटी के विशेषज्ञों द्वारा विकसित की गई है।

इस अवसर पर विधायक सुरेश कुमार ने बताया कि प्लांट में चीड़, लैंटाना और अन्य पेड़-पौधों की पत्तियों से बायो-चार तैयार किया जाएगा, जिसका उपयोग जैविक खाद बनाने में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि करीब डेढ़ टन क्षमता वाला यह प्लांट पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए आय का नया स्रोत भी बनेगा।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग चीड़ और अन्य पेड़-पौधों की पत्तियां एकत्र कर इस प्लांट को उपलब्ध कराकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे। इससे जंगलों में सूखी पत्तियों के कारण लगने वाली आग की घटनाओं में कमी आएगी और प्रदेश को कार्बन क्रेडिट का भी लाभ मिलेगा।

सुरेश कुमार ने बताया कि यह प्लांट उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए शोध का केंद्र भी बनेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में जाहू सहित अन्य स्थानों पर भी ऐसे बायो-चार प्लांट स्थापित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के अरण्यपाल निशांत मंढोत्रा ने अतिथियों का स्वागत किया और प्लांट की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। आईआईटी रुड़की, प्रोक्लाइम कंपनी तथा पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारियों ने भी प्लांट की तकनीक और इसके लाभों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष राम चंद्र पठानिया, पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव डॉ. सुशील कुमार सिंगला, प्रोक्लाइम कंपनी के सीईओ केविन कंडासामी, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के डीन डॉ. रमेश भारद्वाज सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पांगी-लाहौल सीमा पर दर्दनाक हादसा, पहाड़ गिरने से टाटा सूमो सवार 13 लोगों की मौत

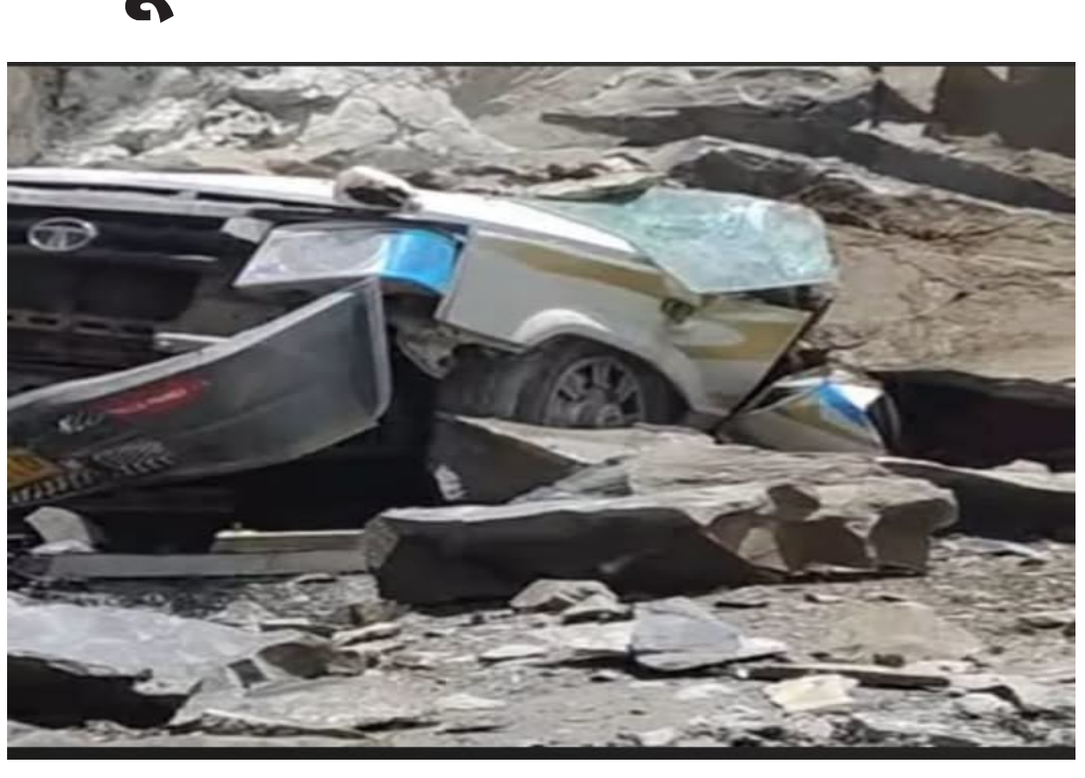

जीत समाचार शिमला। हिमाचल प्रदेश के पांगी और लाहौल-स्पीति जिले की सीमा पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में टाटा सूमो वाहन पर पहाड़ का बड़ा हिस्सा गिर जाने से 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद समाचार से वे अत्यंत व्यथित हैं। उन्होंने कहा कि अपनों को खोने का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगतों की आत्मा की शांति और परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों से बात कर दोनों घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि उपायुक्त स्वयं घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए प्रशासन को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

ऊना में सीसीटीवी का सुरक्षा कवच, 'सामर्थ्य' अभियान से कानून व्यवस्था और सड़क सुरक्षा हुई मजबूत

जीत समाचार ऊना। ऊना जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, अपराधों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा सड़क सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी तंत्र को व्यापक रूप दिया है। उपायुक्त जतिन लाल की पहल पर 'सामर्थ्य' कार्यक्रम के तहत जिला रेडक्रॉस सोसायटी और विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के सीएसआर सहयोग से यह परियोजना विकसित की गई है।

जिले में 12.50 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार इस निगरानी तंत्र के तहत सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, प्रमुख चौकों और संवेदनशील क्षेत्रों को सीसीटीवी नेटवर्क से जोड़ा गया है। इससे संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने, अपराधों की जांच के लिए साक्ष्य जुटाने और त्वरित कार्रवाई में पुलिस को बड़ी मदद मिल रही है।

प्रशासन के अनुसार ऊना, बंगाणा, मेहतपुर, अंब और चिंतपूर्णी में 50 स्थानों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन प्रणाली स्थापित की गई है। प्रत्येक स्थान पर दो एएनपीआर और दो एविडेंस कैमरे लगाए गए हैं, जिससे इन क्षेत्रों में कुल 200 कैमरों का नेटवर्क तैयार हुआ है।

इसके अलावा ऊना शहर में 100 आधुनिक कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें 30 एएनपीआर, 60 एविडेंस और 10 पैन-टिल्ट-जूम कैमरे शामिल हैं। इन सभी की निगरानी ऊना कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से चौबीसों घंटे की जा रही है।

यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए जिले में 8 स्थानों पर इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम तथा 30 स्थानों पर व्हीकल एक्टयूएटेड स्पीड साइनेज भी स्थापित किए गए हैं। इनकी मदद से तेज रफ्तार वाहनों पर नजर रखने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने में सहायता मिल रही है।

निगरानी तंत्र का विस्तार अन्य क्षेत्रों में भी किया गया है। बंगाणा में 32, गगरेट में 16 तथा हरोली में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की पहल और जिला प्रशासन के समन्वय से विकसित अत्याधुनिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के तहत 200 कैमरे स्थापित किए गए हैं।

उपायुक्त जतिन लाल ने कहा कि 'सामर्थ्य' कार्यक्रम का उद्देश्य केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से आम लोगों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि यह निगरानी तंत्र अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सड़क सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान कर रहा है।

26 जुलाई को लुधियाना के 6 विधानसभा क्षेत्रों में विशेष मतदाता शिविर, सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक जमा होंगे गणना प्रपत्र

जीत समाचार ब्यूरों लुधियाना। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन अभियान के तहत लुधियाना जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों में रविवार, 26 जुलाई को विशेष मतदाता शिविर लगाए जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त हिमांशु जैन ने बताया कि 60-लुधियाना पूर्व, 61-लुधियाना दक्षिण, 62-आतम नगर, 63-लुधियाना मध्य, 64-लुधियाना पश्चिम और 65-लुधियाना उत्तर के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक विशेष शिविर आयोजित होंगे।

उन्होंने बताया कि इन शिविरों में बूथ स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे और मतदाताओं के गणना प्रपत्र, आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन तथा डिजिटलीकरण का कार्य करेंगे। जिन मतदाताओं के दस्तावेजों में कोई त्रुटि या कमी होगी, उसे मौके पर ही दूर करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, जिन बूथों पर प्रपत्र प्राप्त करने या डिजिटलीकरण का कार्य लंबित है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष शिविरों की जानकारी विभिन्न माध्यमों से मतदाताओं तक पहुंचाई जा रही है। साथ ही सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भी सूचना दी गई है ताकि उनके बूथ स्तरीय एजेंट अधिक से अधिक मतदाताओं को शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित कर सकें।

हिमांशु जैन ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि जिन्होंने अभी तक अपने गणना प्रपत्र भरकर जमा नहीं किए हैं, वे 26 जुलाई को अपने निकटतम मतदान केंद्र पर आयोजित विशेष शिविर में पहुंचकर आवश्यक दस्तावेज जमा करें और अपने विवरण का समय पर डिजिटलीकरण करवाएं। इससे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

लुधियाना के शुभम वधवा ने रचा इतिहास

आईटीटीपी वर्ल्ड पैरा एलीट टूर्नामेंट में जीता कांस्य पदक

जीत समाचार

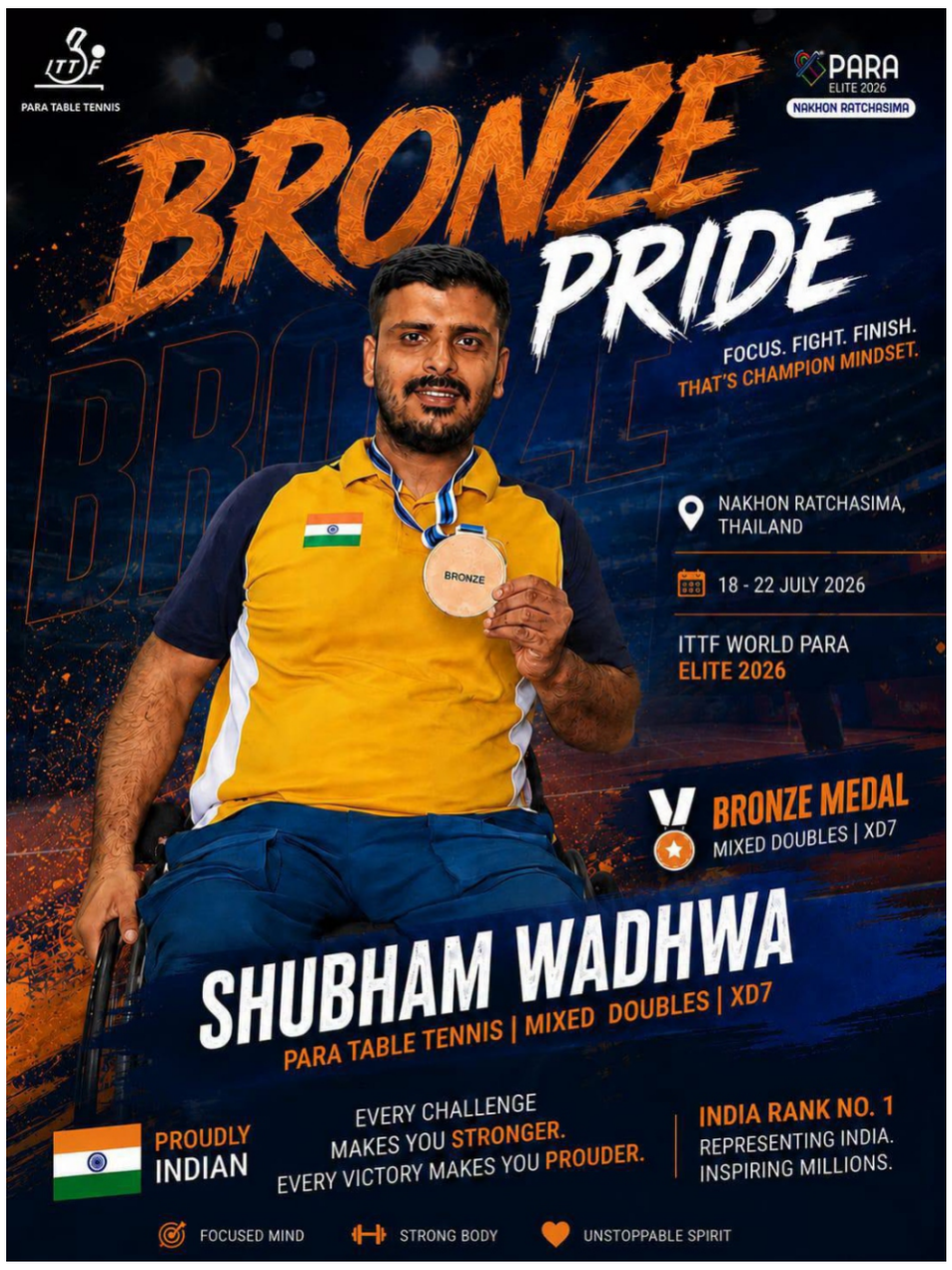

लुधियाना। लुधियाना के अंतरराष्ट्रीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी शुभम वधवा ने अपनी मेहनत और जज्बे से एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा एलीट टूर्नामेंट 2026 में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के साथ शुभम एलीट पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

थाईलैंड के नाखोन रत्वासिमा में 18 से 22 जुलाई 2026 तक आयोजित टूर्नामेंट में शुभम वधवा ने भाविना पटेल के साथ मिश्रित युगल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

शुभम की यह सफलता उनके संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी भी बयां करती है। वर्ष 2016 में एक गंभीर सड़क दुर्घटना में उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी और वे लगभग दो वर्षों तक बिस्तर पर रहे। लेकिन टेबल टेनिस ने उन्हें नया जीवन, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने का उद्देश्य दिया। आज वे 10 बार के राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता और भारत के लिए 20 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके हैं।

वर्तमान में शुभम की शानदार विश्व रैंकिंग भी उनकी सफलता की गवाही देती है। वे मिश्रित युगल में विश्व नंबर-4 और एशिया नंबर-3, जबकि एकल वर्ग में विश्व नंबर-15, एशिया नंबर-6 और भारत के नंबर-1 खिलाड़ी हैं।

शुभम वधवा ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य 2026 जापान एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक, विश्व पैरा चौंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन और 2028 पैरालंपिक खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है। इसके लिए ओस्ट्रावा और चीन में होने वाले आगामी टूर्नामेंट उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर शुभम ने लुधियाना के उपायुक्त हिमांशु जैन, सहायक आयुक्त (सामान्य) पायल गोयल, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी लुधियाना की सचिव नवनीत जोशी, एक्ट ह्यूमन फाउंडेशन की हरलीन कौर तथा प्राइम स्टील प्रोसेसर के देवकर जैन का सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने विश्वास जताया कि अपने शुभचिंतकों के सहयोग, कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर वह भविष्य में भी भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

Ranbir Kapoor की उम्मीदों पर लगा 'ग्रहण'! 'रामायण' का ट्रेलर पोस्टपोन, अमेरिका से आई बड़ी खबर

रणबीर कपूर स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का इंतजार कर रहे करोड़ों फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। निर्देशक नितेश तिवारी की इस मेगा बजट फिल्म का पहला ट्रेलर, जिसे 24 जुलाई को अहनलाइन रिलीज किया जाना था, अब फिलहाल टाल दिया गया है।

फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट के साथ नई वैश्विक साझेदारी के चलते फिल्म को दुनियाभर में बड़े स्तर पर लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। इसी कारण ट्रेलर की रिलीज फिलहाल स्थगित कर दी गई है।

नमित मल्होत्रा ने अपने संदेश में कहा कि उनका सपना अब साकार होने जा रहा है और 'रामायण' को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी वैश्विक फिल्मों में शामिल करने की दिशा में काम चल रहा है। हालांकि, उन्होंने ट्रेलर की नई रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया।

ट्रेलर टलने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ यूजर्स का मानना है कि ट्रेलर को 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' के साथ सिनेमाघरों में दिखाया जा सकता है, जबकि कुछ इसे देश में चल रहे छात्र आंदोलनों से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो रणबीर कपूर भगवान श्रीराम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'रामायणः प्रथम संकल्प' कार्यक्रम में फिल्म की पहली झलक दिखाई गई थी, जिसके बाद से ट्रेलर को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई थी।

फिलहाल फैंस को ट्रेलर के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा, लेकिन मेकर्स का दावा है कि यह इंतजार एक भव्य वैश्विक लॉन्च के साथ खत्म होगा।

'घुंघराले बालों वाली सीता?' साई पल्लवी की कास्टिंग पर बोलीं 'ओजी सीता' दीपिका चिखलिया, दिया बड़ा बयान

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। इस बीच टीवी की 'ओजी सीता माता' के रूप में मशहूर अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने फिल्म में साई पल्लवी की कास्टिंग पर अपनी प्रतिक्रिया देकर नई चर्चा छेड़ दी है।

वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में दीपिका चिखलिया ने कहा कि उन्होंने साई पल्लवी का काम देखा है और वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, लेकिन सीता के रूप में उनका लुक कैसा लगेगा, यह फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा।

उन्होंने कहा कि तुलसीदास की रामायण में माता सीता का वर्णन बादाम जैसी आंखों, संतुलित कद-काठी, घने बालों और कोमल त्वचा वाली महिला के रूप में किया गया है। उनके अनुसार, रामानंद सागर ने इसी दृष्टिकोण से उनका चयन किया था।

'रामायण में घुंघराले बालों का जिक्र नहीं' : दीपिका चिखलिया ने आगे कहा कि रामायण में कहीं भी सीता जी के घुंघराले बालों का उल्लेख नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी एक अच्छी अभिनेत्री हैं और यदि निर्देशक को लगता है कि वह इस भूमिका के लिए उपयुक्त हैं, तो यह उनका निर्णय है।

रणबीर और यश पर भी जताया भरोसा : दीपिका ने रणबीर कपूर और यश की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि रणबीर ने 'बर्फी', 'संजू' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है और अब वह भगवान श्रीराम की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, यश के बारे में उन्होंने कहा कि वह एक ऊर्जावान अभिनेता हैं और रावण के किरदार में प्रभावशाली नजर आ सकते हैं।

'हमारी रामायण को पीछे छोड़ना आसान नहीं' : दीपिका चिखलिया ने विश्वास जताया कि नई फिल्म भव्य होगी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि रामानंद सागर की 'रामायण' का दर्शकों से भावनात्मक जुड़ाव बेहद गहरा है। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान जब यह धारावाहिक दोबारा दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ, तब नई पीढ़ी ने भी इसे खूब देखा। ऐसे में उस यादगार छवि को पीछे छोड़ना किसी भी नई प्रस्तुति के लिए आसान नहीं होगा।

गौरतलब है कि नितेश तिवारी की 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे।

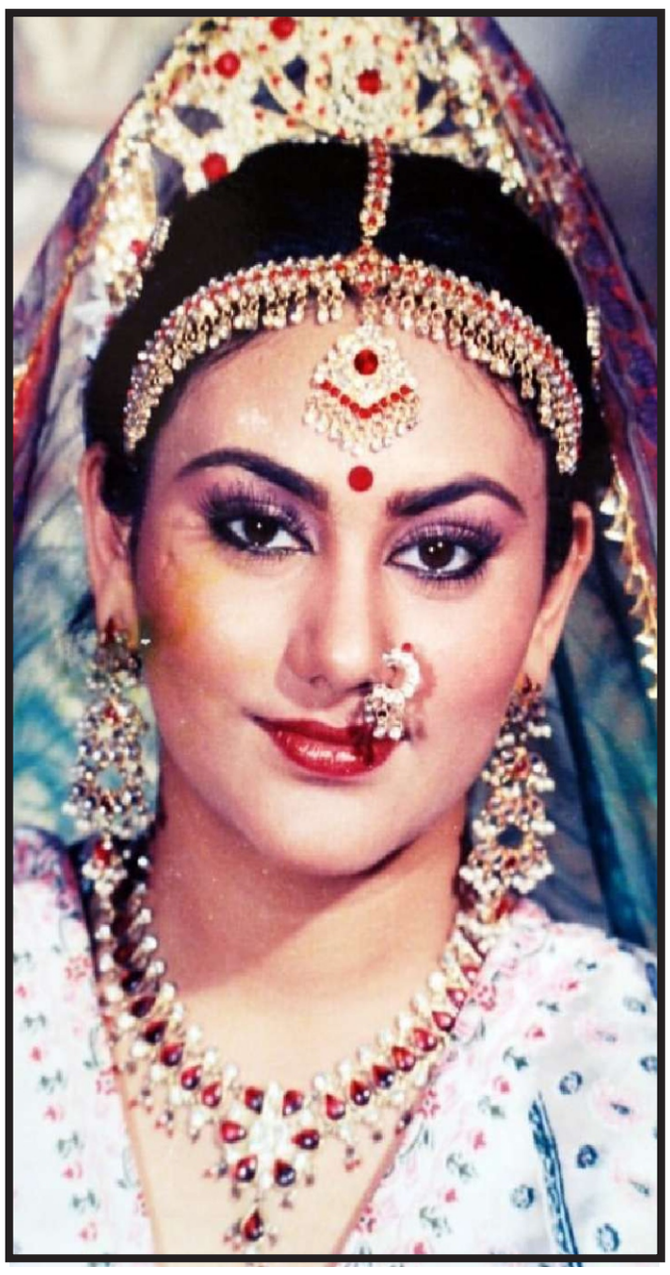

जीत समाचार राशिफल

मेष राशि : आज परिवार के सदस्यों से पूर्ण सहयोग मिलेगा। धन प्राप्ति के अच्छे संयोग बने हैं। वाणी पर संयम बनाए रखें ताकि शुभ फल प्राप्त होता रहे।

वृषभ राशि : पुरानी समस्याओं का अंत होगा। नौकरी में अधिकारियों से सहयोग एवं कार्य करने के लिए उत्साह बना रहेगा। आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मिथुन राशि : खर्च और कर्ज आज आपकी चिंता का कारण बन सकता है इसलिए सोच-समझकर कार्य करें, अनावश्यक खर्च से बचें। कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं।

कर्क राशि : आज दिन मंगलमय बीतेगा। विशेष लाभ के योग बन रहे हैं। कार्यों की पूर्णता होगी। जोखिमपूर्ण निवेश में भी लाभ होगा। स्वादिष्ट भोजन और नए वस्त्राभूषणों की खरीदारी होगी।

सिंह राशि : आज दिनभर कार्य की व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान और यश में वृद्धि होगी। पूजा-पाठ से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में सहयोग प्राप्त होगा। बीमार व्यक्ति को रोग से मुक्ति मिलेगी।

कन्या राशि : आध्यात्मिक सुख एवं सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। भाग्य आज आपका साथ देने के लिए तत्पर है। नए अवसर प्राप्त होंगे। प्रतिस्पर्धियों को आप परास्त कर सकेंगे।

तुला राशि : आज दूर की यात्रा न करें। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं। अजनबी लोगों पर भरोसा न करें वर्ना लेने के देने पड़ सकते हैं। माता-पिता के साथ मतभेद हो सकता है

वृश्चिक राशि : आज आपको जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रिय व्यक्तियों का साथ मिलेगा। शेयर में निवेश कर सकते हैं, लाभ होगा। मौज-शौक के साधन तथा मनोरंजन के पीछे आज पैसे खर्च करेंगे।

धनु राशि : आज उन्नतिदायक दिन होगा। अचानक कोई शुभ समाचार या रुका हुआ धन प्राप्त होगा। शत्रु पराजित होंगे। घर में भाई-बहनों के साथ मेल-मिलाप रहेगा।

मकर राशि : मनोरंजन कार्य में समय अधिक व्यतीत होगा। बुद्धि-विवेक से सफलता आज आपके कदम चूमेगी। मित्रों, सगे-संबंधियों के साथ बाहर जा सकते हैं।

कुंभ राशि : आज वाद-विवाद में न पड़ें अन्यथा विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखना अति आवश्यक है।

मीन राशि : आत्मविश्वास एवं पराक्रम वृद्धि के कारण सफलता प्राप्त होगी। मेहनत के अनुपात में लाभ प्राप्त होगा।